ISSN 2395-051X

भारत में ई कामर्स व्यवसाय विकास एवं वर्तमान स्थिति

डॉ.एम.एम.चौकसे

प्राध्यापक वाणिज्य

शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सागर (म.प्र.)

सारांश :-

इंटरनेट के माध्यम से व्यापार के संचालन को ई कामर्स कहा जाता है। ई कामर्स में वस्तुओं के क्रय विक्रय के अलावा ग्राहकों के लिये सेवायें और व्यापार के भागीदारी के साथ सहयोग भी शामिल रहता है। इंटरनेट के माध्यम से सेवाओं और सामानों की बिक्री और खरीद को ई कामर्स कहते है । इसमें इलेक्ट्रानिक रूप से डेटा या धन दो या दो से अधिक पार्टियों के बीच स्थांतारित होता है। ई कामर्स उपभोक्ताओं को समय या दूरी के बिना वगैर बाधा के वस्तुओं एवं सेवाओं का इलेक्ट्रानिक रूप से आदान प्रदान करने की अनुमति देता है।

मुख्य शब्द- ई कामर्स, बाजार, मूल्य।

भारत में इंटरनेट का प्रारंभ 1995 से हुआ। इंटरनेट के प्रारंभ के बाद ही देश में ई कामर्स की शुरूआत हुई। 1999 में भारत में रेडिफ डॉट काम ने आनलाइन शॉपिंग शुरू कर ई कामर्स का दरवाजा खोला। 2000 में इंडिया टाइम्स डॉट काम ने यही सेवा शुरू की। 2002 में IRCT ने टिकिट बुकिंग के साथ ई कामर्स की शुरूआत की जिसे अपार सफलता मिली इसे देखते हुए 2003 में एयर इंडिया और एयर डेक्कन ने ऑनलाइन टिकिट बेचना शुरू किये। 2006 यात्र डाट काम ने लाइट टिकिट सेवा शुरू की और क्रेडिट कार्ड पेमेंट का विकल्प दिया, इससे भारतीयों की झिझक ई कामर्स के बारे में दूर हुई। 2007 में लिपकार्ट और 2013 में अमेंजन ने अमेजन इंडिया के नाम से इस क्षेत्र में कदम रखा। 2015 में भारत में ई कामर्स कम्पनियों में लिपकार्ट, स्नेपडील, अमेजन भारत और पेटीएम प्रमुख व्यवसाय कर्ता थे।

विशेषज्ञों का मानना है 2020 तक विश्व में ई कामर्स का कुल मूल्य 4479 बिलियन डालर का होगा जिससे भारत का हिस्सा 350 बिलियन डालर का होगा।

भारत में ई कामर्स संबंधी मुख्य बातें:

1. भारत में डिजिटल जनसंख्या 687.6 मिलियन।
2. सक्रिय ई कामर्स पैठ 74: ।
3. अनुमानित फुटकर बाजार आकार 736 यू.एस बिलियन डालर।
4. रिटेल में ई कामर्स की हिस्सेदारी 2021 तक 7: ।

ISSN 2394-

5. मोबाइल वालेट पसंद करने वाले ऑनलाइन दुकानदारों की हिस्सेदारी 32: ।
6. लॉकडाउन के बाद उच्चतम गैर खरीद के साथ श्रेणी घर के सामान की आपूर्ति।
7. डिजिटन भुगतान के माध्यम से खरीद श्रेणी - किराने का समान और दवा।
8. लॉकडाउन के बाद आवश्यक वस्तुओं की ऑनलाइन खरीदारी 26: ।
9. भारत में इंटरनेट उपभोगताओं की संख्या वर्ष 2021 तक 829 मिलियन होने का अनुमान है।
10. डिजिटल इंडिया आंदोलन के तहत सरकार ने उदयन, ने उमंग, स्टार्ट अप पोर्टल शुरू किये।

डिजिटल भुगतानः 2014 में प्रति व्यक्ति लगभग 2.38 डिजिटल भुगतान थे 2019 में प्रति व्यक्ति 22 लेनदेन में हो गये। कैश लैस भुगतान में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई। भारत जैसे देश में जहां नकदी प्रधान को प्राथमिकता दी जाती है, अब शहरी क्षेत्र ही नहीं बल्कि ग्रामीण में भी कैशलैस डिजिटल भुगतान के लेनदेन साधनों में वृद्धि हुई है। रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार देश में आगामी तीन वर्षो में डिजीटल लेनदेन की दस गुना बढ़ सकती है।

2014 से 2019 तक पूरे भारत में प्रति व्यक्ति डिजिटन भुगतान संख्या

वर्ष		डिजिटल भुगतान संख्या
2014	-	2.38
2015	-	4.06
2016	-	5.44
2017	-	10.73
2018	-	13.15
2019	-	22.42

स्त्रोत - स्टेटिस्टा 202

भारत में डिजिटल जनसंख्या संख्याः हाल के वर्षो में इंटरनेट की बढ़ती पहुँच, मोंबाइल 4 जी नेटवर्क क उपब्धता तथा भारत सरकार की डिजीटल इंडिया की पहल की शुरूआत नें ई कामर्स के क्षेत्र को प्रभावित किया। इसक मुख्य कारण रिलायंस जियो सेवाओं का आगमन तथा इंटरनेट की सस्ती तथा आर्कषक योजनायें थी जो सभी वर्गों क लिये लाभकारी थी। जनवरी 2020 तक देश में डिजीटल आवादी लगभग 680 मिलियन सक्रिय उपयोग कर्ताओं की है

भारत में जनवरी 2020 तक डिजीटल जनसंख्या (लाख में)

सक्रिय मोबाइल सोशल मीडिया उपयोगकर्ता	-	400.00
सक्रिय मोबाइल इंटरनेट उपयोगकर्ता	-	629.00
इन्टरनेट उपयोगकर्ता	-	687.60

स्त्रोत - स्टेटिस्टा 2020

भारत में ई कामर्स का बाजार मूल्यः बढ़ते इंटरनेट उपयोगकर्ता सस्ते दामों की अच्छी क्वालिटी की वस्तुयें, शीघ्रता से माल प्राप्ति और अनुकूल बाजार स्थिति के कारण भारत में ई कामर्स व्यापार में अपार संभावानायें हैं। भारत में ई कामर्स में बहुत अधिक प्रतिस्पर्द्धा है। 2018 में खुदरा ई कामर्स आय प्रति उपयोगकर्ता 50 अमेरिकी डालर थी। जो 2024 तक 75 अमेरिकी डालर को पार करने का अनुमान है।

2014 से 2017 तक भारत में ई कामर्स उद्योग का बाजार मूल्य का आकार 2027 तक पूर्वानुमान के साथ।

अमेरिकी बिलियन डालर में

वर्ष		मूल्य
2014	-	14
2015	-	20
2017	-	39
2018	-	50
2020	-	64
2021	-	84
2025	-	188
2027	-	200

स्त्रोत - स्टेटिस्टा 2020

भारत में डिजिटल खरीदारों की संख्याः हाल के वर्षों में भारत में ई कामर्स के क्षेत्र दक्षिण एशियाई देशों में सबसे तेजी की प्रवृति देखी गई है देश में 2020 में डिजिटल खरीददारों की संख्या लगभग 330 मिलियन होने का अनुमान है।

भारत में 2014 से 2020 तक डिजिटल खरीदारों की संख्या पूर्वानुमान के साथ।

वर्ष		डिजीटल खरीदार (संख्या लाखों में)
2014	-	54.1
2015	-	93.4
2016	-	130.4
2017	-	180.1
2018	-	224.1
2019	-	273.6
2020	-	329.1

स्त्रोत - स्टेटिस्टा 2020

ISSN 2393-031

भारत में डिजिटल खरीदार प्रवेश : 2016 में भारत में डिजिटल खरीदारों की संख्या लगभग 48% थी 2018 में 60% और 2020 में बढ़कर 70% से अधिक होने का अनुमान है। भारत में डिजीटल खरीदारों की संख्या 2020 में 330 बिलियन आँकी गई है आर्कषक छूट,त्वरित और शीघ्र वितरण, वापिसी सेवाओं की शर्तों का पालन साम्रगी प्राप्ति के पश्चात् भुगतान जैसी शर्तों के साथ इन्हें और अधिक विकास की ओर अग्रसर किया है। ऐसा अनुमान है कि 560 मिलियन उपयोगकर्ताओं के साथ भारत विश्व स्तर पर दूसरा सबसे बडा ऑनलाइन मार्केट है। 2021 तक देश में इंटरनेट उपयोग करने वालों की संख्या 660 मिलियन से अधिक होने की संभावना है। हर तीन में एक भारतीय का ऑनलाइन शांपिग में संलग्न होने का अनुमान है। देश में विशेष कर ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल भुगतान में तेजी से बढ़ते ई कामर्स में तीन गुना लाभ बढ़ने की संभावना है।

भारत में 2014 से 2016 तक डिजीटल खरीदार 2020 तक में पूर्वानुमान के साथ।

इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की हिस्सेदारी के रूप में डिजीटल खरीदारी

वर्ष		प्रतिशत
2014	-	33.3
2015	-	37.3
2016	-	43.8
2017	-	52.3
2018	-	58
2019	-	64.4
2020	-	70.7

स्त्रोत - स्टेटिस्टा 2020

ई कामर्स के फायदेः

- प्रतियोगिताओं (कूपन और ऑफर) के कारण कीमतों में कमी।
- 24 घंटे पहुँच और सुविधा।
- सुरक्षित व्यापार लेनदेन।
- माल की आसान वापिसी।
- तुलना करने में आसानी।
- कम संचालन लागत।
- ग्राहक संतुष्टि की जानकारी।
- दुकान खोलने के लिये बड़ी जगह की आवयकता नहीं।

ISSN 2395-451X

- कर्मचारी लागत में कमी।
- कई विकल्प एवं तुलना करने में आसानी।

ई कामर्स के नुकसानः

- उत्पादों को व्यक्तिगत रूप से जाँच करने में असमर्थ।
- गोपनीयता भंग होने का डर।
- क्रेडिट कार्ड और बैंकिंग में धोखाधड़ी का डर।
- छिपी हुई लागत।
- ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की पहुंच की समस्या।
- व्यक्तिगत बात का अभाव।
- डाटा हेंकिग का डर।
- गुणवत्ता का अभाव।

भारत जिस तेजी से विकास की ओर अग्रसर है वह देश में ई कामर्स के लिए वरदान है। भारत सरकार का निरंतर प्रयास है तथा इस क्षेत्र में जो कमियाँ है उन्हें दूर करने के लिए एक टास्क फोर्म का गठन भी भारत सरकार द्वारा किया गया है। ई कामर्स उद्योग में भारत में सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यमों को सीधे वित्त पोषण, प्रौद्योगकी और प्रशिक्षण प्रदान करके प्रभावित कर रहा है। भारत में ई कामर्स की वृद्धि के अनुमान के मुताबिक रही तो 2034 तक दुनिया में दूसरा बड़ा ई कामर्स बाजार बनने के लिये अमेरिका से आगे निकलने की उम्मीद है। आशा की जानी चाहिए भारत में ई कामर्स व्यवसाय निरंतर प्रगति करेगा।

संदर्भ -

1. स्त्रेत - स्टेटिस्टा 2020
2. Hindi. theindianwire.com
3. www.dirshtias.com.hindi
4. https://indianmarketer.in
5. दैनिक भारस्कर समाचार पत्र।
6. दैनिक अमर उजाला समाचार पत्र।

❖ ❖ ❖